इन्क़िलाबी नज़र

आवाज़ ... आम आदमी की

लखनऊ, बृहस्पतिवार, 5 फरवरी 2026

वर्ष 18 अंक 154 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

एक बड़े पहाड़ पर चढ़ने के बाद यही पता चलता है कि अभी ऐसे कई पहाड़ चढ़ने के लिए बाकी हैं।

- नेल्सन मंडेला

एरा यूनिवर्सिटी में जल्द होगा कैंसर का पूर्ण इलाज

साल में एक बार जरूर करा लें मैमोग्राफी टेस्ट : डॉ. फराह अरशद

लखनऊ (सं)। कैंसर विशेषज्ञ डॉ. फराह अरशद ने बताया कि कैंसर के केस देश में तेजी से बढ़ रही हैं। अन्य कैंसर की अपेक्षा स्तन कैंसर के 3 मिलियन नए केस हर साल बढ़ जाते हैं। दुनिया में कैंसर के कुल केस में से 30 प्रतिशत मरीज अकेले भारत में हैं। स्तन कैंसर से बचाव के जरूरी है कि चालीस की उम्र पार करने पर साल में एक बार मैमोग्राफी टेस्ट कराएं। बताया कि कैंसर की इस रफ्तार को रोका जा सकता है। जरूरत है जागरुकता की।

डॉ. फराह अरशद विश्व कैंसर दिवस के अवसर एराज लखनऊ मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल के रेडिएशन आंकोलॉजी विभाग और कैंसर एड सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रही थीं। डॉ. फराह ने बताया कि वर्ल्ड कैंसर डे की इस साल की थम यूनाइटेड बाय यूनिक है। यानि सभी को मिलकर कैंसर को हराना है। स्तन कैंसर पर दिए अपने व्याख्यान में मैक्स हॉस्पिटल से आईं डॉ. फराह ने कहा कि ब्रेस्ट कैंसर का पता अगर प्रथम चरण में चल जाए तो मरीज की जान शत प्रतिशत बच जाती है जबकि दूसरे चरण में यह संभावना 88 फीसद रहती है। उन्होंने बताया कि वैसे तो कैंसर किसी भी उम्र की महिलाओं को हो सकता है मगर तीस की उम्र पार करने पर नियमित रूप से खुद की जांच करें। सलाह दी कि अगर किसी महिला के परिवार में कैंसर का मरीज हो तो साल में एक बार मैमोग्राफी टेस्ट जरूर कराएं।

उन्होंने सलाह दी कि लाइफ स्टाइल में सुधार करें। पौष्टिक भोजन व नियमित व्यायाम बहुत जरूरी है। तम्बाकू या अन्य नशा करने से भी कैंसर की संभावना बढ़ जाती है इसलिए नशे से दूर रहें। अपने व्याख्यान में उन्होंने कैंसर के बारे में विस्तार से बताते हुए सभी बताया कि कैंसर कितने प्रकार का होता है। उसे किन जांचों के माध्यम से आसानी से पहचाना जा सकता है। डॉ. फराह ने बताया कि किसी भी कैंसर की वैक्सीन अभी उपलब्ध नहीं है। सर्वाइकल कैंसर में भी जो वैक्सीन दी जाती है वह केवल शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है।

एरा में मिलेगा कैंसर का इलाज : एरा विश्वविद्यालय की प्रो-वीसी और कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. फरजाना महदी ने कहा कि कैंसर तेजी से बढ़ती हुई गंभीर बीमारी है। जिस प्रकार से रोग बढ़ रहा है उसकी तुलना में इलाज की पर्याप्त सुविधाएं नहीं है। उन्होंने बताया कि एराज लखनऊ मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल में कैंसर के पूर्ण इलाज के लिए काम तेजी से चल रहा है। आने वाले समय में मरीजों को चिकित्सा संस्थान किफायती दरों में कैंसर का पूर्ण इलाज मिल सकेगा।

उन्होंने बताया कि कालेज में रेडिएशन थेरेपी के लिए वेरियन ट्रू बीम, एसवीसी लीनियर एक्सीलरेटर फॉर रेडिएशन थेरेपी की सुविधा उपलब्ध है। जिसमें सभी आधुनिक तकनीकें आईएमआरटी, आईजीआरटी, वीएमएटी व एसबीआरटी शामिल हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत रेडियोथेरेपी उपचार के सभी पैकेज प्रदान करता है। सॉलिड ट्यूमर में कीमोथेरेपी और एनएसीटी के साथ मुफ्त एडमिशन, बिना बेड और नर्सिंग शुल्क के साथ-साथ मुफ्त चिकित्सीय आहार उपलब्ध है।

अनदेखी से इलाज में हो रही देरी

डॉ. फराह ने बताया कि देश में ऐसा बहुतायत से देखा गया है कि महिलाएं स्तन कैंसर के लक्षणों की अनदेखी करती है। कई बार उन्हें इस बात पता चल जाता है कि स्तन में गांठ है या स्तन से स्राव हो रहा है इसके बावजूद वह विशेषज्ञ के पास नहीं जातीं। अगर इलाज कराती भी हैं तो स्थानीय डाक्टर या देशी दवा ले लेती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा करना सही नहीं है। समुचित इलाज समय पर मिलने के कारण कैंसर बढ़ता चला जाता है। कैंसर स्तन के साथ शरीर के अन्य अंगों में फैल जाने के बाद इलाज मुश्किल हो जाता है। देरी से डाक्टर के पास पहुंचने पर सर्जरी ही एकमात्र विकल्प बचता है और वह भी कई बार सफल नहीं हो पाती। उन्होंने बताया कि देश मश नेशल स्क्रीनिंग प्रोग्राम की सख्त जरूरत है। लोगों को पता होना चाहिए कि कैंसर के लक्षण क्या हैं। जानकारी ही कैंसर से बचाव है। इस मौके पर प्रोफेसर तरुणा सिंह, डॉ. इंद्रजीत गुप्ता, डॉ. अरफिन के साथ कैंसर एड सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. डीपी गुप्ता समेत कई लोग मौजूद थे।